

**CERTIFICATE IN PRIMARY TEACHING
(CPT)**

Module 1 of DPE

Term-End Examination

December, 2008

ES-201 : TEACHING OF LANGUAGE

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

Note :

- (i) All the **four** questions are compulsory.
- (ii) All questions carry equal weightage.

-
- 1.** Answer the following question in about 600 words.

Explain the different strategies that can be used to help students to learn various language skills at the primary stage.

OR

Why did the Government of India adopt the Three Language Formula ? What are the constituent languages under this formula ? Discuss the implications of this formula for a primary school student.

2. Answer the following question in about 600 words.

Why should a teacher develop his own instructional material ? What principles should he/she keep in mind while developing such material ?

OR

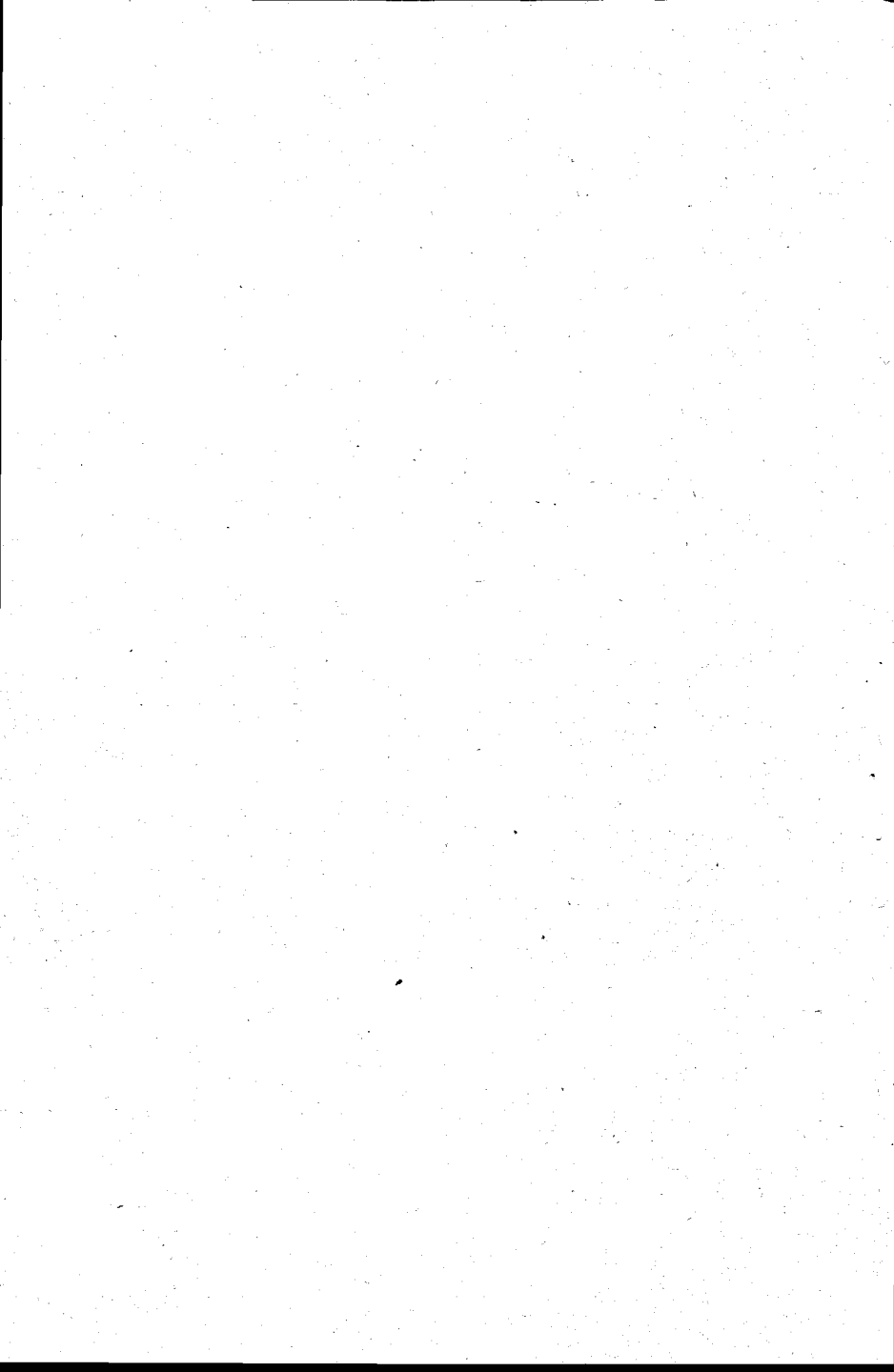
What specific competencies need to be developed in the learners before they are taught to read and write ?

3. Answer any **four** of the following questions in about 150 words each :

- (i) Discuss the main objectives of teaching language at the primary stage.
- (ii) Explain the importance of two types of reading.
- (iii) What are punctuation marks ? Explain the use of six punctuation marks.
- (iv) As a teacher, what steps would you take to increase learners' participation in the teaching-learning process ?
- (v) What guidelines would you keep in mind while selecting an appropriate teaching-learning aid at the primary stage ?
- (vi) On what basis does a teacher evaluate learners' progress and performance ?

4. Answer the following question in about 600 words.

As a teacher, what co-curricular activities do you organise in your school ? Evaluate the contribution of each activity towards the development of various facets of learners' personality.



प्राथमिक अध्यापन में प्रमाण-पत्र
(सी.पी.टी.)

डी.पी.ई. का मॉड्यूल 1

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2008

ई.एस.-201 : भाषा का शिक्षण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट :

- (i) सभी चारों प्रश्न अनिवार्य हैं ।
- (ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए ।

प्राथमिक अवस्था में विभिन्न भाषा कौशल सीखने में विद्यार्थियों की मदद के लिए जिन भिन्न-भिन्न कार्यनीतियों का प्रयोग किया जा सकता है, उनकी व्याख्या कीजिए ।

अथवा

भारत सरकार ने तीन भाषा सूत्र क्यों अपनाया है ? इस सूत्र के अन्तर्गत संघटक भाषाएँ कौनसी हैं ? प्राथमिक विद्यालयी विद्यार्थी के लिए इस सूत्र के निहितार्थों की चर्चा कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए ।

एक शिक्षक को अपनी अनुदेशात्मक सामग्री क्यों तैयार करनी चाहिए ? ऐसी सामग्री तैयार करते समय शिक्षक/शिक्षिका को किन सिद्धांतों को ध्यान में रखना चाहिए ?

अथवा

शिक्षार्थियों को पढ़ना और लिखना सिखाने से पहले उनमें कौनसी विशिष्ट क्षमताएँ विकसित की जानी चाहिए ?

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों) में दीजिए :

- (i) प्राथमिक अवस्था में भाषा सिखाने के मुख्य उद्देश्यों की चर्चा कीजिए ।
- (ii) दो प्रकार के पठनों के महत्व की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) विरामादि चिह्न कौनसे हैं ? छः विरामादि चिह्नों के प्रयोग के बारे में समझाइए ।
- (iv) अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया में शिक्षार्थियों की सहभागिता को बढ़ाने के लिए एक अध्यापक के रूप में आप क्या कदम उठाएँगे ?
- (v) प्राथमिक स्तर में समुचित अध्यापन-अधिगम सहायक सामग्री का चयन करते समय आप किन मार्गदर्शी निर्देशों को ध्यान में रखेंगे ?
- (vi) अध्यापक किस आधार पर शिक्षार्थी की प्रगति और निष्पादन का मूल्यांकन करता है ?

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए ।

एक अध्यापक के रूप में अपने विद्यालय में आप कौनसी पाठ्यक्रम-सहगामी क्रियाएँ आयोजित करेंगे ? शिक्षार्थियों के व्यक्तित्व के विभिन्न पक्षों के विकास में प्रत्येक क्रिया के योगदान का मूल्यांकन कीजिए ।

